हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

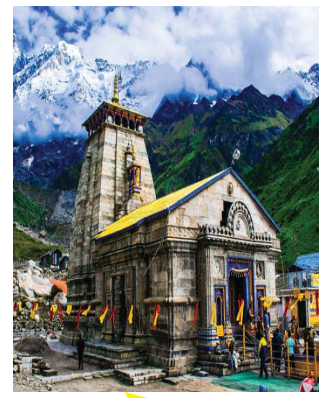

वर्ष:5 अंक:53 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और रोजगार तक संकल्पबद्ध सरकार:मुख्यमंत्री धामी

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रदेश सरकार बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा, सुरक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को नंदा गौरा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश की 33,251 बालिकाओं के खाते में डीबीटी के माध्यम से 1,45,93.00 (एक अरब पैंतालीस करोड़ तिरान्नबे लाख रुपए) की धनराशि हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जन्म के समय बेटा- बेटी के बीच होने वाले भेदभाव को समाप्त करते हुए, कन्या जन्म को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश सरकार नंदा गौरा योजना संचालित कर रही है। इसके तहत राज्य सरकार द्वारा बालिका के जन्म पर 11 हजार रुपए और बेटी के 12वीं पास करने पर उच्च शिक्षा के लिए 51 हजार रुपए की धनराशि प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि योजना

के तहत अब तक 3,77,784 (तीन लाख सत्तर हजार सात सौ चौरासी) बालिकाओं को कुल 11,68,49.00 रुपए (ग्यारह अरब अडसठ करोड़ उनपचास लाख) की धनराशि जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बेटियों की उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन दे रही है, साथ ही शिक्षित होने के बाद रोजगार के लिए भी बेटियों को सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जा रहा है। जिसके बाद अब सरकारी सेवाओं में उत्तराखंड की महिलाओं की स्थिति मजबूत हुई है, इससे सरकारी कार्यालयों की कार्य संस्कृति ज्यादा बेहतर हुई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि सरकार लखपति दीदी योजना के जरिए भी प्रदेश की आम महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि नंदा गौरा योजना कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने, संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन देने, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देते हुए, समाज में लैंगिक असमानता को दूर करने के लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रही है।

इस मौके पर विभागीय मंत्री श्रीमती रेखा आर्य ने कहा कि, इस वर्ष लाभांवित होने वाली बालिकाओं में 5913, नवजात हैं, जबकि शेष 27338 को 12वीं पास करने पर यह धनराशि मिली है। उन्होंने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस मौके पर सचिव चंद्रेश कुमार, विभागीय निदेशक बंशीलाल राणा सहित अन्य अधिकारी कम्रचारी उपस्थित हुए।

एक नजर

सुप्रीम कोर्ट ने 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' अंश को लेकर एनसीईआरटी की कक्षा आठ की पाठ्यपुस्तक प्रतिबंधित की

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक पर प्रतिबंध लगा दिया। न्यायालय ने 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' का संदर्भ देने वाले एक अध्याय पर गंभीर आपत्ति जताते हुए पुस्तक की सभी प्रतियों (मुद्रित और डिजिटल) को स्कूलों, दुकानों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से तुरंत वापस लेने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पांचोली की पीठ ने कहा कि अध्याय की सामग्री न्यायपालिका की गरिमा और अधिकार को कम करने का एक गहरा और जानबूझकर किया गया प्रयास प्रतीत होती है। न्यायालय ने अवमानना अधिनियम के तहत एनसीईआरटी के निदेशक और स्कूल शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर पूछा कि उनके और इसमें शामिल अन्य लोगों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। विवादित हिस्से को तैयार करने वाले नेशनल सिलेबस बोर्ड के सदस्यों के नाम और विवरण मांगते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा, 'यह एक सुनियोजित कदम है। पूरे शिक्षण समुदाय को बताया जाएगा कि न्यायपालिका भ्रष्ट है और मामले लंबित हैं। फिर छात्र और माता-पिता। यह एक गहरी साजिश है। न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि ऐसा लगता है कि पुस्तक में शब्दों और भावों का चयन केवल अनजाने में या सद्भावनापूर्ण त्रुटि नहीं हो सकता है। न्यायालय ने उन बैठकों का विवरण भी मांगा है जिनमें इस अध्याय की सामग्री पर चर्चा हुई और इसे मंजूरी दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'हम इसकी गहरी जाँच चाहते हैं। हमें यह पता लगाने की आवश्यकता है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है और हम देखेंगे कि इसमें कौन लोग शामिल हैं। जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होगी, हम इस मामले को बंद नहीं करेंगे।

भारत और इजराइल द्विपक्षीय मंत्री स्तरीय बैठकों की व्यवस्था पर सहमत

यरुशलम, 26 फरवरी (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के दौरान दोनों देश भविष्य में नियमित तौर पर द्विपक्षीय मंत्री स्तरीय बैठकों की व्यवस्था पर सहमत हुए हैं।

श्री मोदी की यात्रा के दूसरे और अंतिम दिन गुरुवार को संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसकी घोषणा की। दोनों देशों के बीच संबंधों में नवाचार को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य उन्हीं का है जो नवाचार करते हैं, और इजराइल तथा भारत नवाचार के लिए प्रतिबद्ध हैं। नियमित मंत्री स्तरीय बैठकों की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा, 'हम प्राचीन सभ्यताएं हैं, अपने अतीत पर बहुत गर्व करने वाली, लेकिन भविष्य को अपनाने के लिए पूरी तरह दृढ़ संकल्पित - और हम इसे साथ मिलकर और बेहतर कर सकते हैं। हमने भारत में जी2जी (सरकारों के बीच) बैठक करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने 'भारत के असाधारण रूप से प्रतिभाशाली लोगों और इजराइल के लोगों' के साथ सहयोग पर चर्चा की, और इसे ठोस रूप देने पर सहमत हुए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार श्री मोदी 'प्रिसिजन एग्रीकल्चर' की बात करते हैं जिसमें पूरे खेत की बजाय उसके एक विशेष हिस्से की सिंचाई की जाती है जहां इसकी जरूरत है। उसी प्रकार उन्होंने विशेष छात्र के मस्तिष्क को सींचने की सलाह दी जिसमें 'प्रिसिजन एजुकेशन' की बात हो। नेतन्याहू ने कहा, 'अब हमारे पास ऐसा सॉफ्टवेयर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) है, जिससे हम हर युवा छात्र - लड़का या लड़की - तक पहुंच सकते हैं और उन्हें उनकी पूर्ण क्षमता तक पहुंचने में सक्षम बना सकते हैं।' उन्होंने कहा कि जो सीमाएं पहले बाधा होती थीं, वे अब समाप्त हो गयी हैं। अब भविष्य उन्हीं का है जो उसे अपनाते हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री ने श्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा, 'आपकी सरकार अत्यंत कुशल है। आप एक मंत्री और एक राजदूत के साथ जो कर सकते हैं, वह अद्भुत है।' उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान 'हमारे बीच जो दिलों और दिमागों का मिलन हुआ है ', वह मंत्री स्तरीय द्विपक्षीय बैठकों में भी जारी रहेगा। इससे दोनों देशों के बीच परस्पर लाभ को गति मिलेगी।

महिलाओं में गर्भाशय कैंसर अब नहीं होगा लाइलाज: डॉ. धन सिंह रावत

पथ प्रवाह, देहरादून

सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि महिलाओं में गर्भाशय कैंसर अब लाइलाज नहीं है। उन्होंने बताया कि महिलाओं में तेजी से फैलने वाली इस गंभीर बीमारी की रोकथाम के लिये भारत सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी वैक्सीनेशन अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसका शुभारम्भ आगामी 28 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अजमेर से करेंगे। राज्य सरकार ने भी एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीनेशन के लिये प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर तैयारियां कर दी है। डॉ. रावत ने बताया कि सूबे की महिलाओं को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जैसे गंभीर रोग के खतरे से सुरक्षित करने के लिये प्रदेशभर में वृहद स्तर पर एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान संचालित किया जायेगा। जिसके तहत 14 वर्ष आयु वर्ग की शत-प्रतिशत बालिकाओं को एचपीवी का निःशुल्क टीका लगाया जायेगा। अभी तक यह टीका निजी अस्पतालों में 4 हजार प्रति डोज

की कीमत पर उपलब्ध था लेकिन भारत सरकार द्वारा अब इसे पात्र बालिकाओं को पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। डॉ. रावत ने बताया कि टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर प्रदेशभर के सभी जिला एवं ब्लॉक स्तर पर पुख्ता तैयारियां कर दी गई है। जिसके तहत डॉक्टरों, नर्सों, एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि विभागीय अधिकारियों को वैक्सीन की उपलब्धता, कोल्ड-चेन व्यवस्था और रिपोर्टिंग सिस्टम को सुदृढ़ करने के निर्देश दे दिये गये हैं, ताकि टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के प्रथम चरण में प्रदेशभर की चिकित्सा इकाइयों में 155 टीकाकरण केन्द्र चिन्हित किये गये हैं, जहां पर 14 वर्ष की सभी पात्र बालिकाओं को निःशुल्क टीका लगाया जायेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने अभिभावकों, शिक्षकों, स्कूल प्रबंधन, पंचायत प्रतिनिधियों, महिला समूहों और समाज के सभी जागरूक नागरिकों से अपील की कि वे अभियान में सक्रिय सहयोग कर हर पात्र बालिका के टीकाकरण को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाये। साथ ही उन्होंने सभी जनपदों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को अपने-अपने जनपदों में टीकाकारण को लेकर व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिये, ताकि प्रदेश की हर बेटी इस महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच से लाभान्वित हो सके।

हरिद्वार में होली-रमजान को लेकर सख्त सुरक्षा, पुलिस का चेकिंग अभियान तेज

पथ प्रवाह, नवीन चौहान।

होली के रंगों और रमजान के पवित्र माह को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए हरिद्वार पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने जनपद के सभी थाना प्रभारियों को विशेष निर्देश जारी करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी सतर्कता बरतने को कहा है।

एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के मद्देनजर पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। जिले के संवेदनशील एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है, जबकि प्रमुख चौराहों, बाजारों और धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष निगरानी रखी जा रही है।

पुलिस की सख्त चेकिंग अभियान जारी

त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि को रोकने के लिए जनपद भर में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की जा रही है। होटल, लॉज और सार्वजनिक स्थलों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस की टीमों को लगातार पेट्रोलिंग के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीस कमेटी की बैठकों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें दोनों समुदायों के गणमान्य लोगों से सहयोग की अपील की जा रही है। एसएसपी ने आमजन से आग्रह किया है कि वे त्योहारों को आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ मनाएं तथा किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

एसएसपी नवनीत भुल्लर ने चेतावनी दी कि हुड़दंग, अशांति फैलाने या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाने या उत्तराखंड पुलिस कंट्रोल रूम को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया

चेन्नई। अभिषेक शर्मा (55), हार्दिक पंड्या (नाबाद 50), तिलक वर्मा (नाबाद 44), इशान किशन (38) और सूर्यकुमार यादव (33) की विस्फोटक पारियों के बाद अर्शदीप सिंह (तीन विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन बदौलत भारत ने टी-20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराकर टूर्नामेंट में अपनी उम्मीद को जिंदा रखा। 257 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट और टी मारूमानी की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। सातवें ओवर में अक्षर पटेल ने टी मारूमानी (20) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 10वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने डिओन मेयर्स (छह) को अपना शिकार बना लिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये सिकंदर रजा ने ब्रायन बेनेट के साथ तीसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़े। 17वें ओवर में अर्शदीप ने सिकंदर रजा को बाउंड्री पर कैच आउट कराकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। सिकंदर रजा ने 21 गेंदों में दो चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 31 रन बनाये।

जनगणना-2027: अल्मोड़ा में अधिकारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

देश की सबसे महत्वपूर्ण सांख्यिकीय प्रक्रिया जनगणना-2027 को सफल, पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार से प्रारंभ हो गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिलाधिकारी कार्यालय अल्मोड़ा में 26 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक आयोजित किया जा रहा है।

जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तराखंड के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना कार्य से जुड़े विभिन्न स्तरों के अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिभाग कर रहे हैं। इनमें चार्ज अधिकारी, सहायक चार्ज जनगणना अधिकारी, तकनीकी सहायक और जनगणना लिपिक शामिल हैं, जिन्हें आगामी जनगणना की प्रक्रियाओं, तकनीकी व्यवस्थाओं और उनके दायित्वों के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जनगणना-2027 के दौरान अपनाई जाने वाली नवीन तकनीकी प्रणाली, डाटा संग्रहण की प्रक्रिया, डिजिटल उपकरणों के उपयोग और सूचनाओं की शुद्धता सुनिश्चित करने के उपायों की जानकारी देना है। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जनगणना का कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पारदर्शिता, सटीकता और दक्षता के साथ पूरा किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों को जनगणना के विभिन्न चरणों, डेटा सत्यापन की प्रक्रिया, गोपनीयता मानकों तथा जनगणना के महत्व के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया जा रहा है। प्रशिक्षकों द्वारा व्यवहारिक उदाहरणों और तकनीकी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया जा रहा है, जिससे वे अपने-अपने क्षेत्रों में जनगणना कार्य को प्रभावी ढंग से संपादित कर सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा सहित जनगणना निदेशालय से आए प्रशिक्षक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रशिक्षण जनगणना-2027 की सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे जनपद में जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित और त्रुटिरहित तरीके से संपन्न किया जा सकेगा।

प्रशासन का मानना है कि प्रशिक्षित और जागरूक कार्मिकों के माध्यम से जनगणना प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा, जिससे विकास योजनाओं के निर्माण और नीति निर्धारण में सटीक आंकड़ों का उपयोग संभव हो सकेगा।

एक नजर

सोशल मीडिया पर धार्मिक टिप्पणी कर वीडियो वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। एक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो अपलोड की गई थी। इस वीडियो में एक विशेष समुदाय के संबंध में अनुचित टिप्पणी की गई थी। मामला संज्ञान मे आने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कनखल पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लिया गया। क्षेत्र में सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत त्वरित कार्यवाही करते हुए वीडियो अपलोड करने वाले व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। आरोपी चंचल भारद्वाज पुत्र श्याम बाबू भारद्वाज, निवासी आचार्यान मोहल्ला चौपड़, थाना कनखल, जनपद हरिद्वार के विरुध्द अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी हरिद्वार पुलिस ने दबोचा, तमंचा बरामद

पथ प्रवाह, हरिद्वार। भगवानपुर पुलिस ने बताया कि 25 फरवरी को राजकुमार निवासी भगवानपुर ने कोतवाली भगवानपुर में तहरीर देकर बताया था कि आरोपी कार्तिक पुत्र सतवीर निवासी वार्ड न0-8 भगवानपुर ने उसकी नाबालिक नातिन को जान से मारने की नीयत से उसके ऊपर फायरिंग कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया है। आरोपी वादी के साथ भी गाली गलोच कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। घायल नातिन का उपचार मंहत इन्द्रेश अस्पताल देहरादून में चल रहा है। वादी मुकदमा द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर तत्काल अभियोग पंजीकृत किया गया। प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुये स्स्कहरिद्वार द्वारा आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी हेतु दिशा-निर्देश निर्गत किये गये थे। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया था, गठित की गयी पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये मुखबिर की सूचना पर आरोपी कार्तिक उपरोक्त को हसनपुर मदनपुर तिराहे के पास से घटना में प्रयुक्त तमंचे व खोखा कारतूस के साथ पकडा गया है। मुकदमा उपरोक्त मे आर्म्स एक्ट की बढोतरी की गई है।

जवानों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान, सेनानायक ने बढ़ाया उत्साह

पथ प्रवाह, हरिद्वार। 40वीं वाहिनी पी.ए.सी. हरिद्वार एवं ए.टी.सी. द्वारा बुधवार को सेनानायक डॉ. हरीश वर्मा, ढ्ढक्र के निर्देशन में निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया।

इस शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा डॉ अंकित (हृदय रोग), डॉ अमन जोशी (सामान्य चिकित्सक), डॉ नरेश कुमार (नेत्र रोग), डॉ प्रिया (स्त्री रोग), डॉ पायल दत्त (डायटिशियन) एवं सहयोगी स्टाफ उपस्थित रहे। चिकित्सा शिविर में 556 कार्मिक लाभान्वित हुए। इसके साथ ही स्वैच्छिक रक्तदान के माध्यम से मानव सेवा की भावना को सशक्त किया गया।

शिविर के आयोजन में भागीरथ प्रयास फाउंडेशन एवं कैलाश हॉस्पिटल देहरादून का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। इस शिविर में हमारे

पीएसी परिवार के सदस्यों, जवानों और एटीसी के जवानों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। वाहिनी के अधिकारीगण एवं कार्मिकों द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। इस अवसर पर उप सेनानायक जोधराम जोशी, शिविरपाल आदेश कुमार, सूबेदार सैन्य सहायक मंगल सिंह एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

सत्यापन अभियान के दौरान कनखल पुलिस ने किया 8 का चालान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर जनपद में सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत कनखल पुलिस ने 35 व्यक्तियों का मौके पर सत्यापन किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के द्वारा बाहरी व्यक्तियो, किरायेदारों, कबाडियो व घरेलू नौकरो का सत्यापन हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में प्रातः थाना कनखल पुलिस द्वारा अलग-अलग टीमे बनाकर चन्द्रपुरम सोसाइटी कनखल आदि जगहों में निवासरत बाहरी व्यक्तियो, किरायेदारों, व घरेलू नौकरो के सत्यापन हेतु संघन अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान पुलिस टीमो द्वारा 35 व्यक्तियो का सत्यापन कराया गया, तथा मौके पर बिना सत्यापन के किरायेदार, घरेलू नौकर व बाहरी व्यक्तियो को रखने वाले 10 मकान मालिको के विरूद्ध (83) पुलिस एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए 10 हजार का कोर्ट

चालान कर रिपोर्ट न्यायालय को प्रेषित की। मौके पर 81 पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत 08 व्यक्तियों के 250/- रुपये (कुल 2000 रुपये) के चालान किये गये । इसके अतिरिक्त अभियान के दौरान मकान मालिको को अपने किरायेदारों, घरेलू नौकरों एवं बाहरी व्यक्तियो का शीघ्र सत्यापन करने हेतु निर्देशित किया गया, तथा किरायेदारो, घरेलू नौकरो, फड ठेली वालो को भी यथाशीघ्र अपना-अपना सत्यापन कराने हेतु जागरूक किया गया ।

छापेमारी के दौरान डेढ़ कुंतल गौमांस व अन्य पशु अंग बरामद, दो गोवंश बचाए

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

गन्ने के खेत में गौकशी की सूचना पर कोतवाली लक्सर पुलिस ने ग्राम रणसुरा के एक घर के पीछे स्थित गन्ने के खेत में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान गौकशी में जुटे आरोपित वहां से भाग निकले। पुलिस टीम ने मौके से गौवंशीय पशु के 4 पाये, करीब 150 किग्रा चर्बीदार मांस के टुकड़े, 1 गौवंशीय पशु की खाल, 1 जोड़ी जूते व पेड़ पर रस्सी से बंधे दो गौवंशीय पशु जीवित बरामद किये।

मांस परीक्षण हेतु बुलाए गए पशुचिकित्साधिकारी ब्लॉक बहादराबाद द्वारा मौके से बरामद मांस का निरीक्षण कर इसे प्रथमदृष्टतया गौवंशीय पशु का मांस होना बताया। जिस पर कोतवाली लक्सर पर

मुकदमा अपराध संख्या 195 /26 अंतर्गत धारा 3,5,11 उत्तराखंड गौ संतान संरक्षण अधिनियम 2007 पंजीकृत किया गया। घटनास्थल से बरामद 02 जीवित गौवंशीय पशुओं (गाय) को सकुशल मुक्त करा कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। गौकशी में लिप्त आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर करने के उद्देश्य से तैयार किये गए द टीचर एप का शुभारंभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद के राजकीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में जिला प्रशासन ने अहम पहल की है। भारती एयरटेल फाउंडेशन, नीति आयोग और जिला प्रशासन हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में 'द टीचर ऐप' आधारित ऑनलाइन शिक्षक प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ विकास भवन रोशनाबाद सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी, हरिद्वार डॉ. ललित नारायण मिश्र ने इस पहल को शिक्षकों की क्षमता-वृद्धि के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे जिले में शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ बनाने के साथ ही डिजिटल शिक्षण के लिए आवश्यक आधुनिक तकनीकी संसाधन शिक्षकों को उपलब्ध होंगे। साथ ही 'द टीचर एप्प' के उपयोग से जिले के शिक्षकों को उच्च-गुणवत्ता वाले डिजिटल शिक्षण संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे एफ.एल.एन., डिजिटल शिक्षण, कक्षा प्रबंधन और नवीन शिक्षण पद्धतियों के स्तर को और बेहतर बनाया जा सकेगा। यह शिक्षक विकास कार्यक्रम 'द टीचर एप्प' के माध्यम से

समावेशी और प्रभावी शिक्षण वातावरण के निर्माण हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अवधारणा के अनुरूप आवश्यक कौशलों, आधुनिक शिक्षण तकनीकों और विविध पद्धतियों के माध्यम से शिक्षकों की क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए तैयार किया गया है। कार्यक्रम में बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान (एफ.एल.एन), डिजिटल शिक्षण, कक्षा प्रबंधन और नवीन शैक्षणिक विधाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है।

कार्यक्रम को दौरान मुख्य शिक्षा अधिकारी नरेश कुमार हल्दियानी ने शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल संसाधनों का समुचित उपयोग करने हेतु जिले सभी शिक्षको से 'द टीचर एप्प' का उपयोग करने का आवाह्न किया। जिला शिक्षा अधिकारी अमित चंद ने भी शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होने अपने वक्तव्य में कहा कि तकनीक-आधारित प्रशिक्षण से शिक्षकों में आत्मविश्वास, नवाचार की प्रवृत्ति तथा कक्षा प्रबंधन की दक्षता में वृद्धि होगी। डायट रुड़की (हरिद्वार) के प्राचार्य मेराज अहमद ने कहा कि शिक्षक ही शिक्षा प्रणाली की आधारशिला हैं। यदि शिक्षक निरंतर सीखते रहेंगे तो संपूर्ण शिक्षण व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः परिलक्षित होगा। उन्होंने डीएलएड प्रशिक्षुओं से भी इस मंच का अधिकाधिक उपयोग करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में नीति आयोग से प्रतिनिधि के रूप में ले. कर्नल जितेन्द्र कुमार वर्मा ने वर्चुअली प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों के लिए नई तकनीकों और नवीन शिक्षण विधियों को समावेशित कर प्रभावी शिक्षण पर विशेष बल दिया। एससीईआरटी के असिस्टेंट डायरेक्टर केएल बिजल्वाण ने 'द टीचर एप्प' के माध्यम से जिले के समस्त शिक्षको की क्षमतावृद्धि किये जाने पर जोर दिया। भारती एयरटेल फाउंडेशन की प्रतिनिधि वीणा त्यागी ने बताया कि 'द टीचर एप्प' शिक्षणशास्त्र, नेतृत्व, भाषा, सह-शैक्षणिक क्षेत्रों और सामाजिक विज्ञानों में उच्च-गुणवत्ता युक्त शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराता है, यह स्व-गति आधारित पाठ्यक्रमों को इंटरैक्टिव वेबिनार के साथ एकीकृत करता है जिससे शिक्षकों को शोध-आधारित नवाचारों को सीधे कक्षा में लागू करने में सहायता मिलती है।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी शिक्षकों, एवं डायट प्रशिक्षुओं को 'दी टीचर एप्प' का ब्रांड एम्बेसडर भी बनाया गया। कार्यक्रम के दौरान संजय वत्स , प्राथमिक शिक्षक को भी प्रोएक्टिव टीचर की उपाधि देकर सम्मानित किया गया। एयरटेल की तरफ से जोनल मैनेजर सुमित शांडिल्य ,हम्माद अहमद सिद्दिकी ने भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में संतोष रावत ने मंच संचालन किया।

एक नजर

पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जनता के द्वार पहुंची हरिद्वार पुलिस

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार पुलिस द्वारा चलाये जा रहे जागरुकता अभियान 'पुलिस आपके द्वार' कार्यक्रम को कुशल क्रियान्वयन के लिए एसएसपी हरिद्वार द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। आदेश के क्रम में भगवानपुर पुलिस द्वारा प्रीतम इण्टर प्राइजेज कम्पनी रायपुर भगवानपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनों, गौरा शक्ति एप्प. उत्तराखंड पुलिस एप्प, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112,महिला हेल्पलाइन 1090/1091 साइबर अपराध से बचाव, हेल्पलाइन 1930, छेड़छाड़,घरेलू हिंसा तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे बिना संकोच पुलिस से संपर्क करें। पुलिस सदैव आपकी सहायता एवं सुरक्षा के लिए तत्पर है। साथ ही आत्मरक्षा के सामान्य उपायों एवं सतर्कता संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए गए । स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में सुरक्षा एवं विश्वास बढ़ाने वाला कदम बताया की पुलिस द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने की बात कही गई।

गवर्नमेंट गर्ल्स नर्सिंग हॉस्टल में पुलिस ने आयोजित किया जागरुकता कार्यक्रम

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार सिडकुल पुलिस द्वारा चलाये जा रहे जागरुकता अभियान 'पुलिस आपके द्वार' कार्यक्रम के अन्तर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार के कुशल पर्यवेक्षण मे थाना सिडकुल पुलिस टीम ने जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस द्वारा सिडकुल क्षेत्रान्तर्गत गवर्नमेंट गर्ल्स नर्सिंग हॉस्टल रोशनाबाद निकट आईएमसी चौक पर महिलाओं एवं छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनों, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112,महिला हेल्पलाइन 1090/1091, पोक्सो सम्बंधित अपराध, साइबर अपराध से बचाव, छेड़छाड़,घरेलू हिंसा तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं एवं छात्राओं को यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे बिना संकोच पुलिस से संपर्क करें। बताया गया कि पुलिस सदैव आपकी सहायता एवं सुरक्षा के लिए तत्पर है, साथ ही आत्मरक्षा के सामान्य उपायों एवं सतर्कता संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए गए । स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में सुरक्षा एवं विश्वास बढ़ाने वाला कदम बताया की पुलिस द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के जन जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने की बात कही गई ।

नमामि गंगे के तहत जगजीतपुर 68 एमएलडी एसटीपी को राष्ट्रीय सम्मान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत निर्मित जगजीतपुर 68 एमएलडी सीवेज शोधन संयंत्र (एसटीपी) को बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवार्ड्स में 'सोशल इम्पैक्ट एक्सीलेंस ऑफ द ईयर अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल द्वारा प्रदान किया गया। राज्य की ओर से यह पुरस्कार मीनाक्षी मित्तल, परियोजना प्रबंधक (निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई–गंगा), उत्तराखण्ड पेयजल निगम, हरिद्वार द्वारा प्राप्त किया गया। हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (HAM) पर आधारित यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ गंगा अभियान को मजबूती और सतत जल प्रबंधन में उल्लेखनीय योगदान के लिए चयनित हुई। आधुनिक तकनीक से सुसज्जित यह एसटीपी हरिद्वार नगर के अपशिष्ट जल का वैज्ञानिक उपचार कर पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप निर्वहन

सुनिश्चित करता है। संयंत्र के संचालन से गंगा में प्रदूषण भार में कमी आई है और निर्मल धारा के लक्ष्य को गति मिली है। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन, नमामि गंगे उत्तराखण्ड ने इसे प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए स्वच्छ नदियों और टिकाऊ जल अवसंरचना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। यह सम्मान तकनीकी उत्कृष्टता के साथ-साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय दायित्वों के प्रभावी निर्वहन का प्रमाण है।

उद्यमियों का देश की आर्थिक व्यवस्था में बहुत योगदान: ऋतु खंडूरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। तीन दिवसीय आयोजित लघु उद्योग भारती की प्रदर्शनी और उद्यमी सम्मान समारोह का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी और विधायक आदेश चौहान ने किया। प्रदर्शनी में लगभग 150 से अधिक फार्मा और मेडिकल पैकेजिंग कंपनियों ने प्रतिभाग किया है।

इस प्रदर्शनी में फार्मा से संबंधित इक्विपमेंट्स की प्रदर्शनी लगाई गई है। जिन उद्यमियों ने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए उन्हें सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियों से बहुत जानकारी मिलती है। सरकार रोजगार के लिए नई नई योजनाएं ला रही हैं। उद्यमियों का देश की आर्थिक व्यवस्था में बहुत योगदान है। विधायक आदेश चौहान ने कहा कि सरकार की नीतियां से फार्मा कंपनियां के साथ साथ युवाओं को रोजगार में भी लाभ मिल रहा है।

कई कम्पनियों द्वारा स्वयं के उत्पाद बनाकर देश विदेश में बेचे जा रहे हैं। वक्ताओं ने उत्तराखंड में फार्मा उद्योग की बढ़ती संभावनाओं, गुणवत्ता मानकों एवं नवाचार पर बल दिया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिष्ठित उद्यमियों को सम्मानित किया गया। यह समिट उद्योग जगत के लिए तकनीकी आदान-प्रदान, नेटवर्किंग एवं नए व्यापारिक अवसरों का प्रभावी मंच सिद्ध हो रहा है। इस अवसर पर प्रकाश चंद, डॉ. शैलेन्द्र, कैलाश नलाना, विजय सिंह तोमर, रोहित भाटिया, अमित त्यागी, सुरजीत भुल्लर, गजेंद्र सिंह, करिश्मा, राकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

जोमेटो फूड डिलीवरी कार्मिकों का जूस पिलाकर समाप्त कराया अनशन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अपनी मांगों को लेकर अनशन पर बैठे जोमेटो फूड डिलीवरी कंपनी के कार्मिकों को सिटी मजिस्ट्रेट ने जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया। उन्होंने आश्वायन दिया कि कर्मचारियों के हितों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी। जोमेटो फूड डिलीवर कम्पनी के डिलीवरी बॉय द्वारा जोमेटो कम्पनी द्वारा निर्धारित समय पर डिलीवरी न देने पर डिलीवरी बॉय के प्वाइंट तथा वेतन की कटौती

न किये जाने तथा वेतन बढ़ाये जाने सम्बन्धी आदि मांगों को लेकर जोमेटो फूड डिलीवरी बॉय / कार्मिकों द्वारा रानीपुर मोड़, हरिद्वार पर 3 दिन से अनशन किया जा रहा था। गुरूवार को नगर मजिस्ट्रेट हरिद्वार कुश्म चौहान द्वारा जोमेटो कम्पनी के पदाधिकारियों एवं अनशनकारियों को कार्यालय नगर मजिस्ट्रेट, हरिद्वार में बुलाकर उनसे वार्ता की गयी तथा नगर मजिस्ट्रेट हरिद्वार द्वारा जोमेटो कम्पनी के कर्मचारियों द्वारा सौंपे गये मांगपत्र पर नियमानुसार कार्यवाही किये जाने हेतु जोमेटो कम्पनी के पदाधिकारियों के साथ वार्ता की गई तथा अनशनकारियों को जूस पिलाकर उनका अनशन समाप्त किया गया।

संपादकीय

महंगाई और बेरोजगारी: दोहरी मार में जूझता आम आदमी

देश की अर्थव्यवस्था इस समय दो बड़ी चुनौतियों–महंगाई और बेरोजगारी–के दबाव में है। एक ओर रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च लगातार बढ़ रहा है, तो दूसरी ओर रोजगार के अवसर अपेक्षित गति से सृजित नहीं हो पा रहे। यह दोहरी मार सबसे ज्यादा मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग पर पड़ रही है, जिनकी आय सीमित है लेकिन खर्च अनियंत्रित रूप से बढ़ रहे हैं।

महंगाई का असर केवल रसोई तक सीमित नहीं है। खाद्य पदार्थों, ईंधन, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती कीमतों ने पारिवारिक बजट को असंतुलित कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि लागत बढ़ने से किसानों की परेशानी बढ़ी है, वहीं शहरी क्षेत्रों में किराया और परिवहन खर्च आम नागरिक की कमर तोड़ रहे हैं। वेतन वृद्धि महंगाई की रफ्तार से मेल नहीं खा पा रही, जिससे बचत घट रही है और कर्ज का बोझ बढ़ रहा है।

दूसरी तरफ बेरोजगारी एक गंभीर सामाजिक संकट का रूप लेती जा रही है। शिक्षित युवा डिग्रियां लेकर रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। सरकारी नौकरियों की सीमित संख्या और निजी क्षेत्र में अस्थिर अवसर युवाओं में निराशा पैदा कर रहे हैं। कौशल विकास योजनाओं के बावजूद उद्योगों की जरूरत और युवाओं के प्रशिक्षण के बीच स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। परिणामस्वरूप, अस्थायी और कम वेतन वाले कार्यों में वृद्धि हो रही है, जो स्थायी आर्थिक सुरक्षा नहीं दे पाते।

महंगाई और बेरोजगारी का यह दुष्चक्र अर्थव्यवस्था की गति को भी प्रभावित करता है। जब लोगों की क्रय शक्ति घटती है तो बाजार में मांग कम होती है, जिससे उत्पादन और निवेश पर असर पड़ता है। निवेश घटने से नए रोजगार सृजित नहीं होते और बेरोजगारी बढ़ती है। यह स्थिति सामाजिक असंतोष और आर्थिक असमानता को भी बढ़ावा देती है।

समाधान के लिए केवल अल्पकालिक राहत पर्याप्त नहीं होगी। आवश्यक है कि सरकार मूल्य नियंत्रण के प्रभावी उपाय अपनाए, कृषि और लघु उद्योगों को मजबूत करे तथा श्रम-प्रधान क्षेत्रों में निवेश बढ़ाए। साथ ही, शिक्षा और कौशल विकास को उद्योगों की वास्तविक जरूरतों से जोड़ा जाए। स्टार्टअप और स्वरोजगार को प्रोत्साहन देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

महंगाई और बेरोजगारी केवल आर्थिक मुद्दे नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और भविष्य की संभावनाओं से जुड़े प्रश्न हैं। यदि समय रहते संतुलित और दूरदर्शी नीतियां नहीं अपनाई गईं, तो यह संकट गहरा सकता है। अब आवश्यकता है ठोस संकल्प और प्रभावी क्रियान्वयन की, ताकि आम नागरिक को राहत मिल सके और देश की विकास यात्रा मजबूत आधार पर आगे बढ़ सके।

दवाओं से बेहतर प्रकृति की शरण

डॉ. यशपाल सिंह

आधुनिक युग में दवाएं मानव जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी हैं। आपातकालीन स्थितियों और गम्भीर रोगों में इनका योगदान अमूल्य है। किन्तु जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे अवसाद, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग आदि में केवल दवाओं पर निर्भरता दीर्घकाल में दुष्प्रभाव भी उत्पन्न कर सकती है। अतः इस प्रकार की स्थितियों में प्रकृति की शरण- योग, ध्यान, शुद्ध वायु, सूर्य का प्रकाश, वन-स्पर्श आदि प्रभावी विकल्प के रूप में हो सकते हैं।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) और इंपीरियल कॉलेज की स्टडी में यह दावा किया गया है कि प्रकृति के करीब रहना सेहत के लिए तो अच्छा है ही, इससे भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याएं भी नहीं होती। जिन बच्चों का हरियाली से बेहतर एक्सपोजर होता है उनका बौद्धिक विकास भी अच्छी तरह होता है। ठीक इसके विपरीत शहरी क्षेत्रों में और प्रकृति से कटकर रहने वाले बच्चों को भावना और व्यवहार संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

स्टडी के प्रमुख लेखक और यूसीएल में प्रोफेसर केट जोन्स के मुताबिक नतीजों से स्पष्ट होता है कि पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों के द्वारा मिलने वाला आडियो-विजुअल एक्सपोजर मनोवैज्ञानिक तौर पर फायदा पहुंचाता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि ग्रीन स्पेस में वॉक और शारीरिक गतिविधियां करने से एंडॉर्फिन (खुशी से जुड़ा हॉर्मोन) रिलीज होता है। इससे मूड सुधरता है और 1चिन्ता व तनाव में कमी आती है। प्राकृतिक वातावरण में घूमने और समय बिताने से मानसिक सेहत पर सकारात्मक असर पड़ता है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्स मेडिसिन ने गणना की है कि नियमित एक्सरसाइज कैंसर होने के जोखिम को 69 प्रतिशत तक कम कर सकती है। कैंसर रिसर्च यूके का एक्सरसाइज इज मेडिसिन इन ऑन्कोलॉजी शीर्षक का पेपर कहता है कि आप जितने एक्टिव रहे, उतना अच्छा। संक्षेप में कहे तो व्यायाम इम्यून सेल्स की एक्टिविटी बढ़ा सकता है, जिससे कैंसर की ग्रोथ रोकने में मदद मिल सकती है।

स्वीडिश व अमेरिकी शोधकर्ताओं द्वारा 7,55,459 लोगों पर किया गया अध्ययन बताता है कि 20 मिनट रोज या प्रति सप्ताह 150 मिनट वॉकिंग जैसी आधुनिक एक्सरसाइज लिवर कैंसर का जोखिम 80 प्रतिशत तक कम कर सकती है। आंकड़े बताते हैं कि इससे कोलन, ब्रेस्ट और किडनी कैंसर जैसे अन्य कैंसरों का जोखिम भी कम होता है। यूके में नियमित आवागमन करने वाले 2,50,000 लोगों के पांच वर्ष तक अध्ययन में यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो के शोधकताओं ने पाया कि कुछ दूर या पूरी तरह साइकिल से काम पर जाने से कैंसर होने की आशंका 45 प्रतिशत तक कम हो सकती है। यूके के 2,80,423 प्रतिभागियों के अध्ययन में ऑस्ट्रेलिया, नार्वे और स्पेन के शोधकर्ताओं ने पाया कि अगर कोई व्यक्ति प्रतिदिन पांच मंजिल से ज्यादा सीडियां चढ़ता है तो कैंसर से मौत का जोखिम कम होता है। अगर आप डुप्लेक्स में रहते हैं तो प्रतिदिन कम से कम पांच बार सीढिया चढ़ें। साइकोलॉजिकल साइंस मैग्जीन की रिपोर्ट के अनुसार पेड़-पौधों और पहाड़ों के बीच वक्त बिताने से मस्तिष्क को रोजमर्रा के अनावश्यक एक्साइटमेंट से आराम मिलता है अगर आप काम के तनाव से ब्रेक लेकर प्रकृति के बीच जाएं तो एकाग्रता पाने में मदद मिलती है। कार्यक्षमता बढ़ती है। मिशिगन यूनिवर्सिटी के एक शोध में प्रकृति के बीच वक्त बिताने वाले छात्रों ने शहरी माहौल में पढ़ाई करने वालों की तुलना में परीक्षा में 20 प्रतिशत बेहतर अंक पाए। इससे शॉर्ट टर्म व लॉन्ग टर्म मेमोरी सुधरती है। हार्वर्ड हेल्थ में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार प्रकृति के बीच रहने पर घाव जल्दी भरते हैं। जो लोग अधिक प्राकृतिक प्रकाश के सम्पर्क में आए वे रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के बाद तेजी से ठीक हुए। दूसरों की तुलता में उन्हें दर्द का अहसास भी कम हुआ। फिनलैंड में हुए एक अध्ययन के अनुसार प्रकृति के बीच केवल 15 मिनट बिताने से मानसिक परेशान व्यक्ति को खुशी मिलती है। अगर व्यक्ति प्राकृतिक वातावरण में सैर करे तो खुशी बढ़ जाती है। प्रकृति मन पर सीधे असर करती है। एक जापानी अध्ययन से पता चला है कि जिन महिलाओं ने दो दिन की अवधि में छह घंटे जंगल में बिताए, उनमें व्हाइट ब्लड सेल्स की मात्रा बढ़ गई। व्हाइट सेल्स वायरस से लड़ने में मदद करते हैं। ऑस्ट्रेलिया में हुए एक शोध में पता चला कि आडटडोर एक्टिविटी से बच्चों में नजरें कमजोर होने का खतरा कम हो जाता है। प्रकृति आपको उम्र के साथ होने वाले शारीरिक दर्द को भी कम करती है। एक शोध में पाया गया कि 70 साल की उम्र में जिन लोगों ने रोज कुछ देर के लिए बाहर घूमने जाने के नियम का पालन किया उन्हें शरीर में दर्द की शिकायत अन्य की तुलना में कम हुई। वे 75 की उम्र के बाद भी बेहतर नींद और स्वास्थ्य का आनंद लेते रहे। प्रकृति कोई विकल्प नहीं है, बल्कि मूल आधार है। दवाएं आवश्यकता है पर जीवन का दर्शन नहीं। यदि हम प्रकृति के साथ साम्जस्य बैठाकर चलें, संतुलित आहार, नियमित योग-व्यायाम, स्वच्छ पर्यावरण, मानसिक शांति हो तो रोग दूर होने लगते हैं। प्रकृति से दूर जाना ही रोग है और प्रकृति की ओर लौटना ही स्वास्थ्य।

(सलाहकार जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल, राष्ट्रपति पुरस्कार, मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार एवं अन्य पुरस्कारों से सम्मानित)

स्मार्टफोन ने याददाश्त छीनी एआई कल्पना शक्ति छीन लेगी?

भारत से लेकर दुनिया के सभी देशों में इस समय एआई की धूम मची हुई है। हर वर्ग का व्यक्ति छोटा हो या बड़ा इसी तकनीकी की बात कर रहा है। सबको ऐसा लग रहा है, यदि यह तकनीकी हमारे पास नहीं आई तो शायद हम अपना सब कुछ खो देंगे। भारत में हाल ही में एआई समिट हुआ है। जिसमें दुनिया भर के देशों से एआई की आईटी कंपनियों ने बड़े-बड़े दावे किए हैं। ऐसा लग रहा है, जल्द ही स्वर्ग धरती पर उतर आएगा। एआई तकनीकी आने के बाद जो खतरे आने वाले हैं, उसको लेकर कोई भी चर्चा नहीं हो रही है। दिल्ली में हुए समिट के दौरान कहा गया, इस तकनीकी से कारोबार आसान हो जाएगा। खेती बहुत बढ़िया हो जाएगी। एआई तकनीकी से इलाज होगा। इसे एआई क्रांति का नाम दिया जा रहा है। यह क्रांति आएगी, उसके बाद आदमी को कुछ नहीं करना पड़ेगा। इसे एक बड़ी औद्योगिक क्रांति के रूप में देखा जा रहा है। धरती में सभी को सब कुछ बैठे-बैठे मिल जाएगा। इस तरह की बातें कही जा रही हैं। एआई तकनीकी के दुष्प्रभाव को लेकर युवल नोआ हरारी ने अपनी किताब नेक्सस में एआई के खतरों से आगाह किया है। उन्होंने दावा किया है, पहली बार मनुष्य सभ्यता के सामने एक ऐसी मशीनी दुनिया खड़ी होने जा रही है जो मनुष्य से अधिक बुद्धिशील और पराक्रमी साबित होगी। इसका इस्तेमाल बहुत खतरनाक भी हो सकता है। एआई तकनीकी आने के बाद जिस तेजी के साथ मशीनें अपने आप को अपग्रेड कर लेती हैं। एक मशीन सैकड़ो और हजारों लोगों की क्षमताओं का काम अकेली कर सकती है। एआई सभी सूचनाओं, संवेदनाओं, कृत्रिम बादल और बरसात, कविता, उपन्यास, काल्पनिक कहानियां, टीवी सीरियल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़े कार्य, खेती से लेकर समुद्र तक इसकी पहुंच होगी। जिस तरीके के उपकरण एआई तकनीकी के माध्यम से बनाए जा रहे हैं, उसके कारण सबसे बड़ा खतरा बेरोजगारी का है। मशीनों पर आश्रित होकर हम अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमता को ही खो देंगे। इस तरह की बात सामने आने लगी है।

एआई तकनीकी अब समाज के हर उसे क्षेत्र में घुसने के लिए तैयार खड़ी है, जहां पर अभी केवल मानव अस्तित्व ही काम करता था। अब जिस तरह के रोबोट बनाए जा रहे हैं, वह मानवों की तरह संवेदनशील और मानवों की तरह ही, वह सब कुछ कर सकते हैं, जो अभी तक मानव करते आए हैं। इस बात का भी खतरा उत्पन्न हो गया है, जो रोबोट बनाये जा रहे हैं। उसके बाद सेक्स और बच्चा पैदा करने का काम भी यही रोबोट करने लगेंगे। यह रोबोट मानवीय सभ्यता से ज्यादा संवेदनशील होंगे, एक दूसरे को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। कुछ समय पहले स्मार्टफोन आया था। इस स्मार्टफोन ने लोगों की याददाश्त छीन ली। अब हर काम के लिए स्मार्टफोन की जरूरत होती है। कुछ याद नहीं रहता है, यदि स्मार्टफोन ना हो तो हम अपने परिजनों के मोबाइल नंबर और ईमेल अकाउंट का उपयोग भी नहीं कर पाते हैं। जब एआई का अस्तित्व अपने पूरे सवाब में आएगा, तब मनुष्य प्रजाति की कल्पना शक्ति और शारीरिक क्षमता सीमित करने का काम एआई क्रांति कर देगी। कहा जाता है, तकनीकी से डरने की जरूरत नहीं है। तकनीकी जीवन को बेहतर बनाने के लिए उपयोग में आती है। जिस तरह से सारे विश्व में छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बूढ़े तक स्मार्टफोन के नशे का शिकार होकर अपनी सुध-बुध खो चुके हैं। एआई क्रांति के माध्यम से जिस तरह से हम संपूर्ण जीवन को मशीनों के ऊपर आश्रित करते चले जा रहे है। ऐसी स्थिति में ना तो हम शारीरिक श्रम कर पाएंगे और ना ही हम मानसिक श्रम कर पाएंगे। इस स्थिति में भविष्य का क्या होगा, आसानी से समझा जा सकता है। तकनीकी का स्वागत किया जाना चाहिए, पर हमारे जीवन में तकनीकी का उतना ही प्रवेश होना चाहिए, जो हमारी सहायता और विकास को आगे बढ़ाने के लिए काम करे। जब करोड़ों लोगों का काम कुछ लाख मशीनें करने लगेंगी।

ताज की छाया में संस्कृति का विराट उत्सव है ताज महोत्सव

योगेश कुमार गोयल

यमुना के पावन तट पर स्थित धवल संगमरमर की वह अलौकिक कृति, जिसे दुनिया ताजमहल के नाम से जानती है, केवल ईंट-पत्थरों और नक्काशी का मेल नहीं है बल्कि भारतीय संवेदनाओं, स्थापत्य-कौशल और सौंदर्य-चेतना का एक शाश्वत महाकाव्य है। जब इस विश्वप्रसिद्ध स्मारक की शीतल और भव्य छाया में रंगों की चटक आभा, रागों की मधुर लहरियां और रसों की सजीव अनुभूति एक साथ साकार होती है, तब वह दृश्य 'ताज महोत्सव' के रूप में भारतीय संस्कृति का एक अनुपम और दैदीप्यमान उत्सव बन जाता है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक नगर आगरा में 18 से 27 फरवरी तक आयोजित हो रहा यह दस दिवसीय सांस्कृतिक पर्व केवल एक साधारण मेले का विस्तार नहीं है बल्कि यह भारत की बहुरंगी परंपराओं, लोक-स्मृतियों, लुप्तप्राय शिल्प-कौशल और उस विराट पाक-वैभव का उत्सव है, जहां राष्ट्र की विविध आत्माएं एक ही वैश्विक मंच पर एक साथ स्पंदित होती हैं। इस वर्ष अपने 34वें गौरवशाली संस्करण में प्रवेश कर रहे इस महोत्सव की थीम 'वंदे मातरमः परंपरा एवं राष्ट्र गौरव' हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय चेतना का एक सशक्त उद्घोष है, जो आगंतुकों के भीतर स्वदेश प्रेम और अपनी जड़ों के प्रति सम्मान की भावना को प्रगाढ़ करता है। सन् 1992 के वसंत में जब इस महोत्सव का बीजारोपण हुआ था, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यह आयोजन आने वाले समय में भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतीक्षित सांस्कृतिक आयोजनों में शुमार हो जाएगा। इसका मूल दर्शन भारतीय हस्तशिल्प, लुप्त होती लोक कलाओं और सदियों पुराने पारंपरिक कौशलों को एक ऐसा मंच प्रदान करना रहा है, जहां वे अपनी आधुनिक प्रासंगिकता सिद्ध कर सकें। ताजमहल की जादुई पृष्ठभूमि में सजे सैंकड़ों स्टॉल, चटख और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित लोक कलाकार, शास्त्रीय संगीत की गंभीर तान और लोकनृत्यों की लयात्मक थिरकन मिलकर एक ऐसा जादुई वातावरण रचते हैं, मानो पूरा लघु भारत एक ही परिसर में सिमट आया हो। ताज महोत्सव की सबसे बड़ी पूंजी इसकी वह विविधता ही है, जो उत्तर के हिमालयी अंचल से लेकर दक्षिण के कन्याकुमारी तक और सुदूर पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर पश्चिम के रेगिस्तानों तक की कला को एक सूत्र में पिरोती है। यहां कश्मीर की पश्मीना शॉल की मखमली कोमलता और वाराणसी की रेशमी साड़ियों की राजसी चमक एक साथ देखी जा सकती है। लखनऊ की बारीक चिकनकारी की नजाकत हो या सहारनपुर की लकड़ी पर की गई सूक्ष्म नक्काशी, मुरादाबाद के पीतल शिल्प की सुनहरी दमक हो या खुर्जा की सिरेमिक कला की चटक रंगीन छटा, ये सभी तत्व मिलकर भारत की हस्तकला परंपरा का एक ऐसा जीवंत संग्रहालय रच देते हैं, जिसे देख दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेती है। भदोही के हस्तनिर्मित कालीनों की जटिल बुनावट, दक्षिण भारत की पाषाण और काष्ठ मूर्तियां, पूर्वोत्तर के बांस-बेंत की कलाकृतियां और गुजरात के पटोला व बांधनी कार्य की विविधता दर्शकों को एक अनूठी सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाती है। यह महोत्सव केवल वस्तुओं के क्रय-विक्रय का बाजार नहीं है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' की धड़कन और स्थानीय प्रतिभा के स्वाभिमान का एक जीवंत दस्तावेज है। इस वर्ष सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल के अंतर्गत प्रदेश के 50 जनपदों की विशिष्ट पहचान को जिस प्रकार एक ही मंच पर प्रतिष्ठित किया गया है, वह अद्भुत है। लगभग 500 सुसज्जित स्टॉल भारतीय उद्यमिता की उस रचनात्मक ऊर्जा का परिचय दे रहे हैं, जो परंपरा और आधुनिकता के सूक्ष्म समन्वय से नए भारत के भविष्य का निर्माण कर रही है। यहां प्रदर्शित खादी की सादगी, जूट की पर्यावरण-मित्र आत्मा और हथकरघा की सूक्ष्म बुनावट केवल व्यापारिक उत्पाद नहीं बल्कि स्वदेशी स्वाभिमान, सतत विकास और सांस्कृतिक निरंतरता के उन सशक्त प्रतीकों के रूप में उभरते हैं, जो वैश्विक बाजार में भारत की श्रेष्ठता सिद्ध करते हैं। कला और शिल्प के इस महाकुंभ में संगीत और नृत्य की धाराएं आत्मा के स्पंदन की भांति प्रवाहित होती हैं। ताजमहल की मुगलई वास्तुकला की छाया में गूंजते शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय और लोक राग एक ऐसे सांगीतिक वातावरण का सृजन करते हैं, जो श्रोताओं को अलौकिक आनंद की अनुभूति कराता है। ब्रज के उल्लासपूर्ण लोकनृत्य, जिनमें होली की मस्ती और राधा-कृष्ण के प्रेम की महक होती है, कथक की भावप्रवण मुद्राएं, जिनमें इतिहास बोलता है और सूफी गायकी की वह रूहानी लहरियां, जो सीधे खुदा से संवाद करती प्रतीत होती हैं, दर्शकों को एक आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करती हैं। इस वर्ष के विशाल डिजिटल मुक्ताकाशीय मंच पर आधुनिकता का भी समावेश है, जहां नीरज श्रीधर की ऊर्जस्वित बॉलीवुड नाइट्स, कृष्णा-अभिषेक की हास्य-विनोद से भरपूर प्रस्तुतियां और सचिन-जिगर की सुरीली धुनों वाली समापन संध्या युवा ऊर्जा को एक नई चमक प्रदान करेगी। इसके साथ ही 'इंडियन ओशन' जैसे बैंड की फ्यूजन संगीत, अली ब्रदर्स की शुद्ध सूफियाना सुर-लहरियां और माधवाज बैंड की भक्तिमय संध्या इस महोत्सव को संगीत-प्रेमियों के लिए एक कभी न भूलने वाला अनुभव बना देने वाली हैं। भारतीय उत्सव की आत्मा उसके स्वाद में बसती है और ताज महोत्सव इस मामले में किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां देशभर के उन पारंपरिक व्यंजनों का संसार सजता है, जो जीभ के स्वाद के साथ-साथ हमारी भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता का भी परिचय देते हैं। उत्तर प्रदेश के चटपटे आंचलिक व्यंजनों से लेकर दक्षिण भारत के कुरकुरे डोसे, राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा की सोंधी खुशबू, पंजाब की मलाईदार लस्सी, बंगाल की रसभरी मिठाइयां और कश्मीर के शाही वाजवान तक, हर स्वाद अपनी विशिष्ट पहचान के साथ यहां उपस्थित होता है। यह भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि भारत की उस सांस्कृतिक समृद्धि का सजीव प्रमाण है, जो सदियों के मेलजोल से विकसित हुई है। इसके साथ ही, यह आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आगरा के होटल, रेस्तरां, परिवहन सेवाएं, हस्तशिल्प बाजार और टूर गाइडों के चेहरों पर इस दौरान जो रौनक दिखाई देती है, वह पर्यटन उद्योग की गतिशीलता का प्रतीक है।

डीएम सविन बंसल ने नारी निकेतन की महिलाओं के चेहरों पर लौटाई मुस्कान

पथ प्रवाह, देहरादून

जिला प्रशासन की संवेदनशील सोच और मानवीय पहल का सकारात्मक प्रभाव उस समय देखने को मिला, जब जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर नारी निकेतन में निवासरत महिलाओं को शहर के सिटी पार्क में भ्रमण कराया गया। जिला प्रोबेशन कार्यालय द्वारा आयोजित इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को खुला, प्राकृतिक और सकारात्मक वातावरण प्रदान करना था, जिससे उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को मजबूती मिल सके।

सिटी पार्क के हरियाली भरे शांत वातावरण में पहुंचकर महिलाओं के चेहरों पर लंबे समय बाद सुकून और खुशी की झलक साफ दिखाई दी। खुले आसमान के नीचे प्रकृति के बीच समय बिताते हुए उन्होंने न केवल पार्क की

सुंदरता का आनंद लिया, बल्कि सामूहिक रूप से टहलने, संवाद करने और मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेकर अपने मन को हल्का महसूस किया। इस दौरान महिलाओं ने संगीत पर नृत्य कर खुशी का इजहार किया, जिससे माहौल और अधिक उत्साहपूर्ण हो गया। जिला प्रशासन की ओर से महिलाओं के लिए पार्क में ही भोजन की भी व्यवस्था की गई, जिससे यह भ्रमण और भी यादगार बन गया।

प्रशासन का मानना है कि ऐसे कार्यक्रम केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं होते, बल्कि पुनर्वास प्रक्रिया का अहम हिस्सा होते हैं। बाहरी दुनिया से सकारात्मक संपर्क महिलाओं में आत्मविश्वास, आत्मबल और सामाजिक समायोजन की भावना को मजबूत करता है। लंबे समय से संस्थागत वातावरण में रह रही महिलाओं के लिए यह पहल उनके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और नई उम्मीद लेकर आई है। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, अधीक्षिका सोनल राणा और अन्य कर्मचारियों ने महिलाओं के साथ आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और सुझावों को भी जाना। अधिकारियों ने महिलाओं को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि उन्हें सामान्य जीवन का अनुभव मिल सके और उनके समग्र विकास को सुनिश्चित किया जा सके। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि समाज के कमजोर और संवेदनशील वर्गों के प्रति प्रशासन की जिम्मेदारी केवल उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें सम्मानजनक, स्वस्थ और सकारात्मक जीवन की ओर अग्रसर करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नारी निकेतन की महिलाओं के लिए यह पहल उसी दिशा में एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण कदम है।

नैनीताल एवं मसूरी से संबंधित समस्याओं पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में नैनीताल एवं मसूरी से संबंधित विभिन्न समस्याओं के समाधान एवं व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

यातायात, सुरक्षा, सैनिटेशन एवं सौंदर्यकरण पर चर्चा

बैठक में समुचित यातायात प्रबंधन, आवश्यक स्थलों पर लाइटिंग, मुख्य मार्गों का रंग-रोगन, सौंदर्यकरण, साफ-सफाई तथा पर्यटकों की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने आयुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल एवं कुमाऊँ तथा जिलाधिकारी देहरादून और नैनीताल से दोनों मंडल और जनपदों से संबंधित समस्याओं की अद्यतन जानकारी प्राप्त की।

त्वरित प्रस्ताव एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के निर्देश

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, सड़क सुधारीकरण, पार्किंग, मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी, लाइटिंग, कूड़ा निस्तारण आदि से संबंधित आवश्यकताओं के लिए दोनों जनपद यदि आवश्यक हो तो तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करें। साथ ही, चल रहे कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

पीक सीजन हेतु वैकल्पिक व्यवस्थाएँ

यात्रा के पीक सीजन को ध्यान में रखते हुए यातायात को सुचारु रखने, वैकल्पिक पार्किंग एवं सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता अनुसार रूट डायवर्जन स्थानीय स्तर पर लागू करने के निर्देश दिए।

स्थानीय व्यवसायियों, होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों सहित सभी हितधारकों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने पर जोर दिया गया।

नेटवर्क ब्लाइंड स्पॉट, लाइटिंग एवं पार्किंग पर विशेष फोकस

नैनीताल एवं आसपास के मार्गों पर मोबाइल नेटवर्क बाधित होने वाले ब्लाइंड स्पॉट चिन्हित करने तथा जहां-जहां लाइटिंग की आवश्यकता है, वहां तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार, मसूरी में किंग्रेट स्थित पार्किंग के बेहतर उपयोग हेतु पर्यटन विभाग के समन्वय से कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए।

शहर की सुंदरता, स्वच्छता एवं अनुशासन

मुख्य सचिव ने दोनों जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में अव्यवस्थित तारों के जाल को ठीक कराया जाए, छोटे-मोटे भद्दे विज्ञापन हटाए जाएँ जिससे राज्य का नैसर्गिक स्वरूप प्रभावित होता है। साथ ही साफ-सफाई, जल निकासी नालियों की सफाई, रंगाई-पुताई, रेलिंग एवं सौंदर्यकरण से जुड़े सभी आवश्यक कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएँ।

ओवरचार्जिंग व दुर्व्यवहार पर सख्ती

पर्यटकों से ओवरचार्जिंग या किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। इसके लिए महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों को सादे वस्त्रों में विभिन्न स्थलों पर तैनात रखने तथा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि पर्यटकों को किसी भी प्रकार का नकारात्मक संदेश न जाए। बैठक में सचिव नितेश झा, डॉ. आर. राजेश कुमार, रणबीर सिंह चौहान, डी. एस. गब्रियाल, हॉफ वन विभाग रंजन मिश्र सहित वर्चुअल माध्यम से आयुक्त गढ़वाल एवं कुमाऊँ, आईजी गढ़वाल एवं कुमाऊँ, जिलाधिकारी देहरादून एवं नैनीताल तथा अपर सचिव बंशीधर तिवारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने चारधाम यात्रा 2026 की तैयारियों पर उच्चस्तरीय समीक्षा

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में चारधाम यात्रा 2026 की तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं तकनीक-सक्षम बनाने के लिए सभी विभागों को सौंपे गए दायित्वों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य, विद्युत और आपदा प्रबंधन पर विशेष फोकस

मुख्य सचिव ने सचिव सचिन कुर्वे को केदारनाथ-बद्रीनाथ रूट पर सभी चिकित्सालयों को पूर्ण रूप से क्रियाशील करने के निर्देश दिए। ऊर्जा विभाग को निर्बाध एवं संतुलित वोल्टेज की विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। आपदा प्रबंधन एवं पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया कि यात्रा मार्ग पर ट्रैफिक जाम, भीड़ या किसी भी आकस्मिक स्थिति की सूचना यात्रियों को व्हाट्सएप अलर्ट के माध्यम से तत्काल उपलब्ध कराई जाए। एक सप्ताह में इसकी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

आकस्मिक प्रबंधन और संसाधनों की पूर्व तैयारी

किसी आपात स्थिति में यात्रा रोकने की दशा में अवधि एवं स्थान निर्धारण का दायित्व आयुक्त गढ़वाल मंडल को सौंपा गया। यात्रा मार्ग पर आवश्यक मशीनों, उपकरणों और टूल्स की अग्रिम प्रपोजिशनिंग तथा परिसंपत्तियों (एसेट्स) की मैपिंग करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका त्वरित उपयोग सुनिश्चित हो सके। पशुपालन विभाग को यात्रा मार्ग पर पशुधन के पंजीकरण, उपचार एवं कैजुअल्टी की स्थिति में समुचित निस्तारण हेतु स्थानीय निकायों के समन्वय से व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

तकनीक आधारित सुविधाएं और पारदर्शिता

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रमुख स्थलों पर क्यूआर कोड अंकित किए जाएं, जिनके माध्यम से यात्रियों को संबंधित स्थान एवं आसपास की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके। साथ ही सभी मुख्य बिंदुओं पर स्पष्ट एवं सारगर्भित साइनेज लगाए जाएं। यात्रा संचालन हेतु मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) जारी करने के भी निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारी चमोली, रुद्रप्रयाग एवं उत्तरकाशी को स्थानीय स्तर पर सभी विभागों, एजेंसियों एवं स्टेकहोल्डर्स के साथ समन्वय स्थापित कर व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त करने को कहा। विगत वर्षों के अनुभवों और चुनौतियों की समीक्षा करते हुए भीड़ प्रबंधन (क्राउड मैनेजमेंट) के लिए सुदृढ़ और व्यावहारिक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

अवैध अतिक्रमण के खिलाफ रुड़की में गरजा प्रशासन का पीला पंजा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। गुरूवार को रूड़की में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस फोर्स की मौजूदगी में अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया। जनपद में किसी भी क्षेत्र में कोई अतिक्रमण न हो इसके लिए जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस को अपने अपने क्षेत्रों में अतिक्रमण के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद्र सेठ ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में गुरूवार को उनके नेतृत्व में नगर निगम एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा रुड़की तहसील रोड, गंग नहर कोतवाली से स्टेशन रोड और मालवीय नगर चौक से रेलवे स्टेशन तक सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। राष्ट्रीय राजमार्गों को भी अतिक्रमण मुक्त

कराया गया। इस दौरान 22 लोगों के चालान करते हुए 41 हजार का अर्थ दंड वसूला गया। निरीक्षण के दौरान तहसील, नगर निगम एवं पुलिस की टीम मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध रूप से अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप मचा रहा। लोगों को चेतावनी देते हुए कहा गया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा। यदि किसी ने फिर से अतिक्रमण किया तो उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य सचिव ने डोर-टू-डोर सफाई, सोर्स सेग्रीगेशन और प्रोसेसिंग क्षमता बढ़ाने के दिए निर्देश

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने सचिवालय सभागार में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की समीक्षा बैठक में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कूड़े के सोर्स सेग्रीगेशन को प्रभावी बनाने और कूड़ा प्रोसेसिंग की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। जहां-जहां कूड़ा प्रोसेसिंग हेतु आवश्यकता है, वहां शीघ्र भूमि का चयन कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

ऑनलाइन ट्रैकिंग एवं जवाबदेही प्रणाली विकसित करने पर जोर

मुख्य सचिव ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एवं कूड़ा निस्तारण में लगे वाहनों, उनके चालकों और कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन ट्रैकिंग सिस्टम विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही ड्यूटी और वेतन आधारित ऑटो सिस्टम

लागू करने पर भी होमवर्क करने के निर्देश दिए।

मशीनरी व नवीन तकनीकों के त्वरित उपयोग के निर्देश

मुख्य सचिव ने शहरी विकास सचिव को निर्देशित किया कि जिन शहरी निकायों में मशीनों एवं उपकरणों की आवश्यकता है, वहां किसी भी प्रकार की कमी न रहने दी जाए और आवश्यक संसाधन तत्काल उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट से संबंधित वर्तमान में प्रचलित बेहतर एवं आधुनिक तकनीकों को आत्मसात करते हुए उनके प्रभावी उपयोग हेतु ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

रियल-टाइम मॉनिटरिंग का ट्रायल

शहरी विकास सचिव नितेश झा ने प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया कि देहरादून में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की रियल-टाइम मॉनिटरिंग का ट्रायल वर्तमान में चल रहा है। क्यूआर आधारित ऑनलाइन मॉनिटरिंग से अधिकारी निगरानी कर सकेंगे तथा आम नागरिक भी कूड़ा वाहन की लोकेशन, आगमन समय और शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही इस जीपीएस आधारित रियल-टाइम मॉनिटरिंग वेबसाइट का शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर सचिव रणवीर चौहान, सचिव डीएस. गर्ब्याल, हॉफ वन विभाग रंजन मिश्र सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने घनसाली को 41.21 करोड़ की विकास योजनाओं की दी सौगात

पथ प्रवाह, घनसाली (टिहरी)

पुष्कर सिंह धामी ने जनपद टिहरी के घनसाली क्षेत्र को 41.21 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 13.43 करोड़ रुपये की तीन योजनाओं का लोकार्पण तथा 27.78 करोड़ रुपये की पांच योजनाओं का शिलान्यास किया। इसके साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पिलखी को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) में उच्चीकृत करने की आधारशिला भी रखी, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं और मजबूत होंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अस्पताल के लिए भूमि दान करने वाले कृष्णा गैरोला और उनके परिवार को सम्मानित करते हुए उनके योगदान को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

विकास कार्यों में नहीं होगी देरी, पहाड़ों को प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया है, उनका कार्य समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा या देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इच्छाशक्ति और जनसहयोग से संसाधनों की कमी को भी दूर किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं और घनसाली क्षेत्र में भी आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

बेटियों और गरीबों के लिए विशेष पहल

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि आयुष्मान योजना के माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार मिल रहा है। साथ ही डीबीटी प्रणाली के जरिए योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचाया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। नंदा गौरा योजना के तहत बेटियों को 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे उनके भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड आंदोलन के अग्रणी नेता इंद्रमणी बडोनी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और अवैध अतिक्रमण हटाकर सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने की दिशा में भी प्रभावी कार्यवाही की गई है।

स्वास्थ्य, सड़क और पुल निर्माण को मिलेगा बढ़ावा

लोकार्पित योजनाओं में पीएमजीएसवाई के अंतर्गत धमातोली से घनसाली अखोड़ी मोटर मार्ग वाया चांजी मोटर मार्ग का उन्नयन, नागेश्वर सौड़ से गोना वाया सरकंडा मोटर मार्ग का अपग्रेडेशन तथा राजकीय इंटर कॉलेज कोट विशन के भवन का पुनर्निर्माण शामिल है। वहीं शिलान्यास की गई योजनाओं में हनुमान मंदिर के समीप 50 मीटर स्टील गर्डर मोटर पुल का निर्माण, तहसील बालगंगा के आवासीय एवं अनावासीय भवनों का निर्माण, गंगी में स्वास्थ्य उपकेन्द्र की स्थापना तथा पिलखी पीएचसी को सीएचसी में उच्चीकृत करना प्रमुख है। इसके अलावा पिलखी बेलेश्वर क्षेत्र में उप-चिकित्सालय स्थापित करने की घोषणा भी मुख्यमंत्री द्वारा की गई।

क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने रखीं विकास की मांगें

कार्यक्रम में विधायक शक्तिलाल शाह ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए क्षेत्र में 30 बेड अस्पताल, पुल निर्माण, विद्यालय भवन, बिजलीघर तथा अन्य विकास कार्यों के लिए आभार जताया। उन्होंने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए 37 सूत्रीय मांग पत्र भी मुख्यमंत्री को सौंपा, जिसमें सड़कों का निर्माण, विद्यालयों का उच्चीकरण, बाढ़ सुरक्षा कार्य और मिनी स्टेडियम की स्थापना जैसी मांगें शामिल हैं।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल, एसएसपी आयुष अग्रवाल, सीडीओ वरुणा अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

दिव्य और भव्य कुंभ आयोजन के लिए मेला प्रशासन और आश्रमों का साझा संकल्प

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

आगामी कुंभ मेले के सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन के लिए अखाड़ों, धार्मिक संस्थाओं और साधु-संतों की सम्मति से व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने हेतु मेला प्रशासन द्वारा इन दिनों मेले से जुड़े विभिन्न हितधारकों के साथ निरंतर विचार-विमर्श किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को सीसीआर भवन में मेला अधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में कुंभ क्षेत्र के आश्रम संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आश्रमों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों ने कुंभ मेले को लेकर राज्य सरकार एवं मेला प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस विराट धार्मिक आयोजन में सभी आश्रम अपनी पूर्ण सामर्थ्य और प्रतिबद्धता के साथ सहयोग करते हुए दिव्य और भव्य कुंभ आयोजन सुनिश्चित करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर मेला अधिकारी सोनिका ने आश्रम संचालकों को आश्वस्त किया कि कुंभ मेले के लिए आश्रमों को समुचित सुविधाएं एवं आवश्यक सहूलियतें प्रदान की जाएंगी। उन्होंने मेला प्रशासन के अधिकारियों के दूरभाष नंबर उपलब्ध कराते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या, सहायता या सुझाव के लिए आश्रम प्रतिनिधि किसी भी समय संबंधित अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेले की व्यवस्थाओं को लेकर अखाड़ों, आश्रमों, धार्मिक संगठनों और साधु-संतों सहित सभी हितधारक पक्षों से निरंतर संवाद एवं समन्वय बनाए रखने की प्रभावी व्यवस्था की गई है।

कुंभ मेले में लाइट एंड शो की भी तैयारी

मेला अधिकारी ने यह भी जानकारी दी कि कुंभ मेले के अंतर्गत हरिद्वार में लाइट एवं साउंड शो के आयोजन की योजना बनाई जा रही है। इसके साथ ही संपूर्ण कुंभ क्षेत्र के सौंदर्यीकरण और सजावट के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण के साथ-साथ सुव्यवस्थित सुविधाएं भी प्राप्त हो सकें। मेला अधिकारी ने कहा कि कुंभ मेला आस्था, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक परंपरा का महापर्व है, जिसमें देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इतनी विशाल संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए आश्रमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। श्रद्धालुओं के ठहरने और भोजन की व्यवस्था का मुख्य दायित्व आश्रमों पर ही रहता है। इसके अतिरिक्त मेले की विभिन्न व्यवस्थाओं में भी आश्रमों का विशेष सहयोग अपेक्षित होता है। उन्होंने कहा कि मेला प्रशासन आश्रमों को हर संभव सहयोग देने के लिए तत्पर है तथा उनके सुझावों पर समुचित विचार कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा।

अक्तूबर तक पूरे होने हैं मेले के स्थायी कार्य

मेलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन और संत समाज के समन्वित एवं साझा प्रयास ही कुंभ मेले को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और अनुकरणीय बना सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी संबंधित विभागों, आश्रम संचालकों और स्वयंसेवकों के सहयोग से कुंभ मेले का आयोजन भव्य एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया जाएगा। बैठक में अपर मेला अधिकारी दयानंद सरस्वती ने मेले की तैयारियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मेले से संबंधित सभी प्रमुख स्थायी कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं तथा इन्हें आगामी अक्टूबर माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण कुंभ क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। सड़कों, पुलों और घाटों के सुधार एवं विस्तार का कार्य प्रगति पर है। स्वच्छता, सुरक्षा और आवागमन की सुगमता को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।

संतों ने बैठक में की सराहना, दिये सुझाव

बैठक में महामंडलेश्वर यतीन्द्रानंद गिरी, महामंडलेश्वर रूपेन्द्र प्रकाश, महामंडलेश्वर ललितानंद गिरी, महामंडलेश्वर मैत्री गिरी, महामंडलेश्वर हेमा सरस्वती, महामंडलेश्वर स्वामी अनंतानंद तथा महंत ऋषेश्वरानंद सहित अन्य संतों ने मेले की तैयारियों की सराहना करते हुए कहा कि कुंभ मेले के दिव्य आयोजन को भव्यता के साथ सफल बनाने के लिए सभी आश्रम पूर्ण रूप से तैयार हैं। आश्रम प्रतिनिधियों ने कुंभ क्षेत्र में स्वच्छता और सौंदर्यीकरण के विशेष प्रबंध सुनिश्चित करने तथा पॉलीथीन पर प्रभावी नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया। प्रमुख स्नान पर्वों के दौरान यातायात प्रतिबंध लागू होने की स्थिति में रेलवे स्टेशन और बस अड्डों से शटल वाहन सेवा संचालित करने, मोतीचूर और रायवाला स्टेशनों पर सभी ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित करने, मेला अवधि में आश्रमों द्वारा श्रद्धालुओं की सेवा को देखते हुए बिजली और पानी के बिलों में राहत प्रदान करने, तथा सड़कों और घाटों के सुधार एवं विस्तार जैसे महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए गए।

बैठक में मोजूद रहे ये संत और अधिकारी

बैठक में महंत दुर्गादास, महंत आशुतोष मुनि, महंत कपिल मुनि, महंत कृष्ण मुनि, महंत दिनेश दास, महंत गंगा दास, महंत ओम दास, महंत संदीप वेदालंकार, स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी शिवम महंत, आचार्य हरिहरानंद, स्वामी ज्ञानानंद, जयपाल शर्मा और बलजिंदर शास्त्री सहित अन्य प्रतिनिधियों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत करते हुए आश्रमों के लिए आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने का आग्रह किया तथा मेले के सफल आयोजन में पूर्ण सहयोग देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक में उप मेला अधिकारी आकाश जोशी, मनजीत सिंह गिल, एसएओ इंद्रेश लोहनी, व्यवस्थाधिकारी विकास शर्मा सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

राज्यपाल से मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की मुलाकात

पथ प्रवाह, देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से आज लोक भवन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के विभिन्न विकासात्मक योजनाओं तथा समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श किया। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने राज्य में संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की प्रगति की जानकारी राज्यपाल को दी। उन्होंने आधारभूत संरचना विकास, सड़क परियोजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा क्षेत्र में सुधार तथा पर्यटन को बढ़ावा देने से संबंधित योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही प्रदेश में निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजन के अवसर बढ़ाने और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विचार-विमर्श किया गया।

मंगलौर में सीओ और कोतवाली प्रभारी ने की शांति एवं सौहार्द बैठक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। आगामी होली पर्व तथा पवित्र रमजान माह को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन क्षेत्र में शांति व्यवस्था और सौहार्द बनाए रखने के लिए शांति समिति की बैठक कर रहा है। पुलिस का पूरा फोकस आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने पर है।

इसी क्रम में कोतवाली मंगलौर परिसर में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी मंगलौर द्वारा की गई। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मंगलौर समेत समस्त उप निरीक्षकगण, नगर पालिका अध्यक्ष, ग्राम प्रधानगण, क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति एवं विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। पुलिस प्रशासन द्वारा स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, हुड़दंग, अशांति या कानून व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वह क्षेत्र में शांति व्यवस्था और सौहार्द बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। शांति व्यवस्था प्रभावित करने वालों को चिन्हित कर पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। इस संबंध में असामाजिक तत्वों की भी निगरानी करायी जा रही है।

जूना अखाड़ा ने स्वामी चक्रपाणि महाराज को बनाया जगदगुरू शंकराचार्य

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अखिल भारतीय संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज को जूना अखाड़ा द्वारा गुरूवार को जगदगुरू शंकराचार्य बनाया गया है। जगदगुरू शंकराचार्य के पद आरूढ होने के बाद उनका नाम स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि महाराज हो गया है। स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि महाराज जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज से विधिवत दीक्षा लेकर उन के शिष्य बन गए हैं।। जूना अखाड़ा के आचार्य

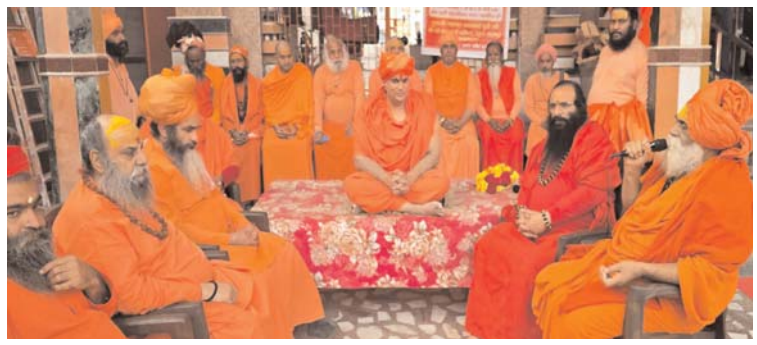

महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज के निर्देशानुसार स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि महाराज का श्रीमहंत हरि गिरि महाराज व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद व मनसा देवी ट्रस्ट के अध्यक्ष, श्री निरंजनी अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज के पावन सानिध्य में हुए समारोह में विधिवत रूप से जगदगुरू शंकराचार्य के पद पर अभिषेक किया गया। पंचम गुरू की परम्परा में श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने चोटी गुरू, जूना अखाड़े के वरिष्ठ अध्यक्ष श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज ने भगवा गुरू, सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने रूद्राक्ष गुरू, जूना अखाड़े के उमाशंकर भारती महाराज ने विभूति गुरू व जूना अखाड़ा के उपाचार्य कपिल मुनि महाराज गोकर्ण धाम ने लंगोटी गुरू के रूप में उनका अभिषेक किया। ब्रहमकुंड घाट पर गंगा पूजन के बाद भैरो मंदिर में पूजा-अर्चना की गई और उसके बाद हरिद्वार की अधिष्ठात्री देवी मायादेवी मंदिर में स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि महाराज का जगदगुरू शंकराचार्य पद पर अभिषेक किया गया। जूना अखाड़ा के महामंत्री श्रीमहंत महेश पुरी महाराज, श्रीमहंत शैलेंद्र पुरी महाराज, सचिव दिल्ली संत महामंडल के संगठन मंत्री महामूडलेश्वर कंचन गिरि महाराज, सचिव महंत आनंदेश्वरानंद गिरि महाराज, महंत गिरिशानंद गिरि महाराज समेत जूना अखाड़ा के सभी पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

एचईसी के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, रोमांचक मुकाबलों में गूंजा खेल उत्साह

पथ प्रवाह, हरिद्वार

एचईसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, जगजीतपुर में आयोजित दो दिवसीय स्पोर्ट्स मीट 'स्पर्धा-2026' का द्वितीय दिन रोमांच, प्रतिस्पर्धा और खेल भावना से भरपूर रहा। दूसरे दिन बैडमिंटन, खो-खो, टग ऑफ वॉर, वॉलीबॉल, क्रिकेट और एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले आयोजित किए गए। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, वहीं दर्शकों ने भी उत्साहपूर्वक खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

बैडमिंटन पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में भविष्य जोशी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मनी शर्मा को 15-7 और 15-6 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। मनी शर्मा को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि अंकित ने तनिष्क को हराकर कांस्य पदक हासिल किया। महिला वर्ग के फाइनल में रसिका जोशी ने जस्सी को 15-12 और 15-10 से पराजित कर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित 4म100 मीटर रिले रेस में अंकित, दीपक, नितिन और अमर चौहान की टीम ने बेहतरीन तालमेल और गति का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और गोल्ड मेडल जीता। हिमांशु, गौरव, अंश और रवि की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक हासिल किया।

खो-खो प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में दीपक की टीम 'ए' (यश नेगी, एकता, सृष्टि, वैशाली, एश, मानसी, अर्चिता, नैतिक, कशिश और अनीषा) ने पवन भट्ट की टीम 'सी' को पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। खिलाड़ियों ने पूरे मैच के दौरान शानदार रणनीति और फुर्ती का प्रदर्शन किया।

टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता में भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में कनिका नेगी के नेतृत्व में खुशबू कुमारी, रितु बिष्ट, नग्सिता, नित्या, तनिष्का और अनीषा की टीम ने तनिष्का की टीम को हराकर गोल्ड मेडल पर कब्जा किया। वहीं क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला टीम शिवांक 'डी' और टीम आशुतोष 'बी' के मध्य खेला जा रहा है, जिसमें दोनों टीमों के बीच रोमांचक टक्कर देखने को मिल रही है।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्थान के चेयरमैन संदीप चौधरी ने सभी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। प्राचार्या डॉ. तृप्ति अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता के समापन के बाद विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए सभी खिलाड़ियों, खेल अधिकारियों और आयोजकों की सराहना की।

इस अवसर पर स्पोर्ट्स इंचार्ज शशांक, उमराव सिंह, ललित जोशी, रितिक कुमार सिंह, वीरेंद्र सिंह, गौरव भाटिया, दीपशिखा बोहरा, रूपा विश्नाई, नेहा शर्मा, दीपिका, स्वाति मंगलम, करूणा नेहरा, सुनीति त्यागी, दीपाली अग्रवाल, रश्मि सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

दो दिवसीय 'स्पर्धा-2026' का यह आयोजन न केवल खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच बना, बल्कि संस्थान में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

उत्कृष्ट पुलिसकर्मियों को एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने किया सम्मानित

पथ प्रवाह,देहरादून। पुलिस लाइन देहरादून में आयोजित सैनिक सम्मेलन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने पुलिसकर्मियों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

सम्मेलन के दौरान एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले 29 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने सम्मानित कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कर्तव्यनिष्ठा और उत्कृष्ट कार्यशैली अन्य पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता

सम्मेलन में एसएसपी ने पुलिसकर्मियों से सीधे संवाद कर उनकी ड्यूटी, आवास, संसाधनों और अन्य प्रशासनिक समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुलिसकर्मियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि वे बेहतर तरीके से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 29 पुलिसकर्मी हुए सम्मानित

सम्मानित किए गए पुलिसकर्मियों में निरीक्षक राकेश शाह (एसआईएस शाखा), उप निरीक्षक संदीप चौहान (कोतवाली डालनवाला), उप निरीक्षक विनय मित्तल (कोतवाली डोईवाला), उप निरीक्षक आशीष कुमार (कोतवाली पटेलनगर), उप निरीक्षक विक्रम नेगी (थाना रानीपोखरी), उप निरीक्षक सुमेर सिंह (थाना सेलाकुई), उप निरीक्षक अर्जुन गुसाई (थाना राजपुर), उप निरीक्षक नवीन चंद्र जुराल (एसआईएस) और उप निरीक्षक कृपाल सिंह (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) सहित कई पुलिस अधिकारी शामिल रहे।

इसके अलावा कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल, महिला कांस्टेबल तथा विशेष इकाइयों–एसओजी, सीपीयू, यातायात और जल पुलिस–में तैनात कर्मियों को भी उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मां गंगा व्यापार मंडल के अखिल बने अध्यक्ष और अमित महामंत्री

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मां गंगा व्यापार मंडल (विष्णु घाट, रामघाट, सब्जी मंडी) हरिद्वार का द्विवार्षिक चुनाव बदरीबावला, धर्मशाला में संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी विपिन सिखोला एवं डॉ संदीप कपूर ने बताया कि अध्यक्ष पद पर अखिल शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सन्नी पवार को कांटी की टक्कर में 9 मतों से हराकर विजय प्राप्त की। महामंत्री पद पर अमित गुप्ता ने निकटतम प्रतिद्वंदी राहुल दीक्षित को 12 मतो से हराकर विजय प्राप्त की। कोषाध्यक्ष पद पर यश सडाना ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी गगन गुप्ता को 27 मतों से पराजित कर विजय प्राप्त की।

आज के चुनाव में शत प्रतिशत 125 व्यापारियों ने मतदान कर एक नया इतिहास मां, गंगा व्यापार मंडल के चुनाव में रच दिया। चुनाव परिणाम घोषित होने के पश्चात विजयी प्रत्याशियों ने हरिद्वार के मुख्य बाजार में जलूस निकालकर व्यापारियों को धन्यवाद दिया।

विजयी प्रत्याशियों को बधाई देने वालों में मुख्य रूप से व्यापारमंडल के जिलाध्यक्ष संजीव नैयर, शहर अध्यक्ष राजीव पाराशर, अमन शर्मा, प्रदीप कालरा, राम अरोड़ा, संदीप शर्मा, राहुल शर्मा, विजय शर्मा, राजेश पुरी बिट्टू पालीवाल, विष्णु शर्मा, अभिषेक गुप्ता, निधि कुमार, पंकज मक्कड़, नीरज कपूर, पार्षद हिमांशु गुप्ता, सार्थक वर्मा, गौरव अरोड़ा, उज्जवल पंडित बृजेशपुरी, गौरव भारद्वाज, दीपक ओबेराय, पारस, अमित गुप्ता आदि थे।

डीएम प्रशांत आर्य ने चारधाम यात्रा की तैयारियों की समीक्षा बैठक में दिए कड़े निर्देश

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

आगामी चारधाम यात्रा को सुगम, सुरक्षित और भव्य बनाने के लिए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने गुरुवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखी जाएं। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत करें और धरातल पर कार्यों को शीघ्रता से दुरुस्त करना शुरू करें। डीएम ने सख्त लहजे में कहा कि स्वास्थ्य, सौंदर्यकरण और सुरक्षा से जुड़े सभी कार्य तय समय सीमा के भीतर पूरे हो जाने चाहिए।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने यमुनोत्री यात्रा मार्ग के लिए मुख्य घोड़ा पड़ावों पर

घोड़ों के लिए गर्म पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सोलर गीजर लगाने की व्यवस्था करने को कहा। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इसके लिए जल्द से जल्द प्रस्ताव बनाकर भेजें। उन्होंने मार्ग पर पेयजल, पर्याप्त शेड और स्वच्छता बनाए रखने पर भी जोर दिया।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा करते हुए कहा कि यात्रियों के लिए चिकित्सा केंद्रों पर पर्याप्त स्टाफ और दवाइयों की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित हो।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने निर्देशित किया कि निर्धारित समय के भीतर कार्य पूर्ण नहीं पाए गए, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों को एक सुखद, सुरक्षित और बेहतर वातावरण प्रदान करना है।

बैठक के दौरान एसडीएम देवानंद शर्मा, ब्रजेश तिवारी, सीओ जनक पंवार, सीएमओ बीएस रावत,सीवीओ एचएस बिष्ट, ईई लोनिवि रजनीश सैनी,ईई जल संस्थान एलसी रमोला,डीटीडीओ केके जोशी, डीडीएमओ शार्दूल गुसाई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नयार वैली फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पर्यटन और रोजगार को दी नई उड़ान

पथ प्रवाह, पौड़ी गढ़वाल

पुष्कर सिंह धामी ने जनपद पौड़ी गढ़वाल के बिलखेत में आयोजित नयार वैली फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ किया। इस महोत्सव के साथ ही नयार घाटी की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और साहसिक पर्यटन की अपार संभावनाओं को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन क्षेत्र में पर्यटन, रोजगार और समग्र विकास के नए द्वार खोलेगा।

नयार घाटी को एडवेंचर और धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनाने की घोषणा

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने नयार घाटी को पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने क्षेत्र में पैराग्लाइडिंग प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की घोषणा करते हुए कहा कि इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही विकासखंड पोखड़ा में रसलवाँण दीवा मंदिर, बीरोंखाल में कालिंका मंदिर, एकेश्वर में एकेश्वर महादेव मंदिर तथा पाबौ में चम्पेश्वर महादेव मंदिर से जुड़े विकास कार्यों को भी प्राथमिकता से आगे बढ़ाने की बात कही। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट प्रदान की, गोदभराई की रस्म संपन्न कराई तथा समाज कल्याण विभाग के दिव्यांग लाभार्थियों को सहायक उपकरण वितरित किए।

एडवेंचर गतिविधियों से युवाओं को मिलेगा रोजगार

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने नयार वैली में पैराग्लाइडिंग, पैरामोटरिंग, हॉट एयर बैलून, माउंटेन बाइकिंग, कयाकिंग, एंगलिंग, जिपलाइन, बर्मा ब्रिज और रिवर्स बंजी जैसी साहसिक गतिविधियों का फ्लैग ऑफ कर औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि नयार घाटी प्राकृतिक सौंदर्य और रोमांच का अद्भुत संगम है, जिसे साहसिक पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित किया जा सकता है। ऐसे आयोजनों से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित सभी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है।

पौड़ी जिले में तेजी से आगे बढ़ रही विकास परियोजनाएं

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि श्रीनगर में 650 करोड़ रुपये की लागत से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा खोह नदी के प्रदूषण नियंत्रण के लिए 135 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जा रहा है। कोटद्वार में सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट, खेल सुविधाओं का विस्तार, 50 बेड अस्पताल का निर्माण तथा मालन नदी पर पुल निर्माण कार्य भी जारी हैं। उन्होंने कहा कि पौड़ी के ऐतिहासिक कलेक्ट्रेट भवन को हेरिटेज के रूप में संरक्षित किया जा रहा है, जबकि सतपुली में सिंचाई निरीक्षण भवन का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा माउंटेन म्यूजियम, तारामंडल, विज्ञान संग्रहालय और पर्यटन आधारित अन्य परियोजनाएं क्षेत्र में पर्यटन और रोजगार को नई दिशा देंगी।

प्रशासन पहुंचा जन-जन के द्वार

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि 17 दिसंबर 2025 से शुरू किए गए 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के माध्यम से प्रशासन सीधे गांवों तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहा है। इस अभियान के तहत विभिन्न प्रमाणपत्र और दस्तावेज घर-घर पहुंचाए गए हैं, जिससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य के संतुलित सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। विकास के साथ-साथ राज्य की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उत्तराखंड को एडवेंचर पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में कदम

इस अवसर पर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड को देश और दुनिया के प्रमुख एडवेंचर पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नयार वैली फेस्टिवल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और पर्यटन संभावनाओं को वैश्विक पहचान दिलाएगा। कार्यक्रम में विधायक राजकुमार पोरी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया और नयार वैली फेस्टिवल को स्थायी आयोजन बनाने की मांग की। इस अवसर पर उत्तराखंड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पं. राजेंद्र अणथ्वाल, जिला पंचायत अध्यक्षा रचना बुटोला, जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए चाक चौबंद हो सभी व्यवस्थाएं: जिलाधिकारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में चारधाम व्यवस्थाओं की कलेक्ट्रेट एनआईसी कक्ष रोशनाबाद हरिद्वार में बैठक आहूत की गयी। इस दौरान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं से सम्बन्धित विभागों की कार्ययोजना/तैयारियों की समीक्षा की। जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुशील नौटियाल ने बताया किविगत् वर्ष की भांति श्रद्धालुओं/यात्रियों का पंजीकरण् ऋषिकुल मैदान किया जायेगा। जिसके लिये तैयारियां शुरु कर दी गयी है। ऋषिकुल में जर्मन हैंगर युक्त टैन्ट अस्थायी पंजीकरण केन्द्र बनाया जायेगा, जिसमें यात्रियों की सुविधार्थ फंखे, बिजली, पानी, शौचालय एवं आवश्यक व्यवस्थाएं भी करवाई जायेगी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पर्यटन अधिकारी को चारधाम यात्रा में ऋषिकुल मैदान में पंजीकरण हेतु 20 पंजीकरण काउंटर शिफ्टवार ड्यूटी लगाये जाने के निर्देश दिए गए, इसके साथ-साथ पंजीकरण काउंटरों को प्रातः 7 बजे से सायं 7 बजे तक संचालित करने के साथ ही समस्त तैयारियां यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग को आवश्यकता पड़ने पर होल्डिंग एरिया को चिन्हित किये के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा के दौरान पुलिस को यातायात व्यवस्था को दुरूस्त करने एवं यात्रा के दौरान भीड़ नियंत्रण के डाइर्वन प्लान बनाये जाने के निर्देश दिए गए। पुलिस विभाग की ओर से एसपी सिटी अभय सिंह ने जिलाधिकारी को पुलिस की तैयारियों के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों को ट्रिप कार्ड/ग्रीन कार्ड बनाने एवं वाहनों से सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण हेतु सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), हरिद्वार को ऋषिकुल मैदान में एक हेल्पडेस्क बनाये जाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा चारधाम यात्रा के दौरान धामों पर अत्याधिक भीड़ होने, वीकेंड पर अथवा अपरिहार्य स्थिति में हरिद्वार में भीड़ बढ़ने पर यात्रियों/श्रद्धालुओं के ठहरने हेतु धर्मशालाओं/आश्रमों का चिन्हीकरण करते हुए हरिद्वार के दर्शनीय स्थलों के साईनेज तैयार कर लगाये जाने के निर्देश दिए गए।

प्रतिदिन सफाई पर किया गया फोकस

जिलाधिकारी ने नगर निगम को पंजीकरण केन्द्र एवं होल्डिंग एरिया में यात्रियों की सुविधार्थ शौचालय एवं मोबाइल टॉयलेट बनाये जाने एवं प्रतिदिन सफाई व्यवस्था करने हेतु समुचित संख्या में सफाई कर्मचारियों की तैनाती करने हेतु निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने पंजीकरण केन्द्र ऋषिकुल मैदान में यात्रियों के स्वास्थ्य सम्बन्धी जांच हेतु कैम्प लगाये जाने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी हरिद्वार को निर्देश दिए गए।

जिला खाद्य आपूर्ति विभाग को दिये ये निर्देश

जिलाधिकारी द्वारा चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों के भोजन, पानी आदि की सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु जिला पूर्ति अधिकारी हरिद्वार को अभियान चलाये जाने एवं आपात स्थिति में खान-पान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए यात्रा से पूर्व तैयारी करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में सभी होटलों, रेस्टोरेंट में सिलेंडर के स्थान पर गैस पाइप लाईन के माध्यम से गैस उपलब्ध कराये जाने हेतु अभियान चलाये जाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा के दौरान बस स्टैण्ड पर यात्रियों/पर्यटकों को बदरीनाथ, केदारनाथ हेतु बसों की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को चारधाम यात्रा से पूर्व यात्रा रूट के सभी कार्यों को पूर्ण कर लिया जाये।

निशुल्क होगा चार धाम यात्रा पंजीकरण

जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा के लिये हरिद्वार आने वाले यात्रियों/पर्यटकों की सुविधार्थ निःशुल्क पंजीकरण केन्द्र की जानकारी/जागरूकता हेतु पर्याप्त मात्रा में प्रचार-प्रसार किये जाने हेतु जिला पर्यटन विकास अधिकारी हरिद्वार को होल्डिंग, फ्लैक्स, साइनेज बोर्ड इत्यादि लगाये जाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने पंजीकरण करने वाली संस्था को निर्देशित किया गया कि अपनी तैयारियां समय से पूर्ण करे लें। जिलाधिकारी ने कहा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ चारधाम यात्रा को सफल बनाये जाने तैयारियां करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में ये अधिकारी रहे मोजूद

बैठक में एसपी सिटी अभय सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आरके सिंह, नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, उपजिलाधिकारी जितेन्द्र कुमार, आपदा प्रबन्धन अधिकारी मीरा रावत, अधिशासी अभियन्ता विद्युत विभाग दीपक सैनी, अधिशासी अभियन्ता जल संस्थान विपिन चौहान, भारतीय संचार निगम से जेपी खातरकर, नगर निगम से यूएनए दीपक गोस्वामी, एआरटीओ निलिख खुराना, उत्तराखण्ड परिवहन से एजीएम विशाल चन्द्रा, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से साइट मैनेजर नवीन सिंह, इथिक्स फाउंडेशन से प्रोजेक्ट मैनेजर प्रेम अनंत एवं सुमन बिल्जवाण आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल की सख्ती, पुलिसकर्मियों की लापरवाही पर एक्शन की चेतावनी

पथ प्रवाह, देहरादून

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने पुलिस लाइन देहरादून में आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी में जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था, आगामी त्योहारों और पर्यटक सीजन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने स्पष्ट किया कि कर्तव्यों के प्रति किसी भी प्रकार की उदासीनता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लापरवाही पाए जाने पर संबंधित पुलिस कर्मी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ थाना प्रभारी एवं पर्यवेक्षण अधिकारी की जवाबदेही भी तय की जाएगी।

ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत सत्यापन तेज करने के निर्देश

एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने 'ऑपरेशन क्रैकडाउन' के अंतर्गत चल रहे सत्यापन अभियान को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। हाईराइज बिल्डिंग्स, सोसाइटी, पॉश कॉलोनियों सहित पूरे जनपद में बाहरी राज्यों से आए व्यक्तियों का अनिवार्य सत्यापन करने को कहा गया। संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

त्योहारों से पहले शांति बैठक अनिवार्य

वर्तमान में चल रहे रमजान और आगामी होली पर्व को देखते हुए सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठक आयोजित करने को कहा गया। मिश्रित आबादी और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने तथा पूर्व में हुए विवादों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जघन्य अपराधों में त्वरित कार्रवाई और मजबूत पैरवी

हत्या एवं अन्य जघन्य अपराधों में त्वरित साक्ष्य संकलन कर समयबद्ध रूप से आरोपपत्र न्यायालय में प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाने पर जोर दिया गया।

फायर ऑडिट और कुंभ क्षेत्र में विशेष सतर्कता

मुख्य अग्निशमन अधिकारी को आबादी क्षेत्रों में स्थित गोदामों तथा संस्थानों का अनिवार्य फायर ऑडिट कराने के निर्देश दिए गए। आगामी कुंभ मेले के दृष्टिगत ऋषिकेश क्षेत्र में भी संवेदनशील स्थलों का फायर ऑडिट सुनिश्चित करने को कहा गया।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com